भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1722

दिनांक 02 जुलाई, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: मवेशियों पर आई॰सी॰ए॰आर॰-एन॰डी॰आर॰आई॰ अनुसंधान

1722. श्रीमती रक्षा निखिल खडसेः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार आई॰सी॰ए॰आर॰-एन॰डी॰आर॰आई॰ के माध्यम से ''पशुओं में सीमन सैक्सिंग'' नामक अनुसंधान कार्यक्रम प्रस्तावित कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या संस्था सीमन सैक्सिंग के क्षेत्र में अपने अनुसंधान के माध्यम से समाधान पाने में समर्थ रहा है जो दूध की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बछियों की संख्या बढ़ाने में मदद करेगा;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस दिशा में सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) और (ख): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से प्राप्त सूचना के अनुसार, आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई), करनाल में तीन वर्षों (2015-17) के लिए स्वीकृत 'गोपशुओं में सीमन सैक्सिंग' के संबंध में एक परियोजना को 2020 तक बढ़ा दिया गया है।

(ग) से (ड़) 'गोपशुओं में सीमन सैक्सिंग' संबंधी परियोजना के तहत, आईसीएआर द्वारा निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों को मानकीकृत किया गया है:

(1) वृषण ऊतक (टेस्टीकुलर टिशु) की फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजि, (एफएनएसी), अल्ट्रासोनोग्राफी तथा इनफ्रारेड थर्मोग्राफी का प्रयोग करने जैसी प्रौद्योगिकियों के जरिए युवावस्था में 50 प्रतिशत से अधिक गर्भाधारण दर के साथ उच्च प्रजनन क्षमता वाले सांड़ों का चयन करना

(2) देशी तथा वर्णसंकर गोपशुओं और मुर्रा भैसों में प्रजनन क्षमता के संबंध में समझौता किए बिना (40 प्रतिशत से अधिक गर्भाधारण दर) प्रति स्ट्रा (0.25 एमएल) शुक्राणु खुराक में (20 मिलियन से 5 मिलियन करना) कमी करना।

इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा बंगलौर स्थित दक्षिणी अनुसंधान केंद्र, आईसीएआर-एनडीआरआई के लिए राष्ट्रीय कृषि विज्ञान निधि (एनएएसएफ) के जरिए वित्तपोषण हेतु ''दूध देने वाले गोपशुओं में मादा संतति के प्रति लैंगिक अनुपात में परिवर्तन हेतु वाई-धारक शुक्राणुजोजा (स्पर्माटोजोया) के लक्षित स्थिरीकरण और डिंबवाहिनी मिलियु के आरोपण (मॉड्युलेशन)'' नामक एक परियोजना को तीन वर्षों की अवधि (2018-21) के लिए स्वीकृत किया गया है।

पशुपालन और डेयरी विभाग राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत वीर्य केंद्रों पर सीमन सैक्सिंग सुविधा स्थापित करने के लिए राज्यों की सहायता भी कर रहा है। इस योजना के तहत उपलब्ध प्रौद्योगिकी जो कि विदेशी मूल की है, के आधार पर राज्यों की 11 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं क्योंकि गोपशु में सीमन सैक्सिंग के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी अभी तक उपलब्ध नहीं है।

*****